3029.44 cr. in 1997-98. During April-November, '98, total trade amounted to Rs. 2381.25 cr. as compared to Rs. 1703.35 cr. in the same period in the previous year.

Under the SAARC Preferential Trading Arrangement (SAPTA) Agreement India and Bangladesh have exchanged tariff concession, on a large number of products under the first and second rounds of negotiations. During the third round of SAPTA negotiations which concluded recently, India has given concessions on 1758 tariff lines and Bangladesh has given concessions on 260 tariff lines. In additions, India has also deepened the concessions on 256 tariff lines given to Bangladesh at the 1st and 2nd Rounds of Negotiations. Further the Rules of Origin criterion for preferential tariffs has been reduced from 40% to 30%, in the case of imports from Bangladesh being Least Developed Country. With effect from 1st August, 1998, quantitative restrictions on all items of import from SAARC countries, including Bangladesh, on account of Balance of Payment reasons have been lifted.

In the last Trade Review meeting held on 8-9th Dec, 1998 at Commerce Secretary level, it was also agreed that infrastructurel facilities for exports/imports should be improved on both sides.

WTO Agreement on A griculture

2019. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether WTO agreement on agriculture is scheduled to be reviewed in the year 2000;

(b) whether the perceptions and interests of the developed and nondeveloped countries are at divergence;

(c) whether there is a need to protect the interests of our country against decisions detrimental to our interests; and

(d) if so, what are Government's plan in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) Yes, Sir. In terms of Article 20 of the WTO Agreement on Agriculture, Members have agreed that negotiations for continuing the reform process in trade in agriculture will be initiated one year before the end of the implementation period, which ends in the year 2000.

(b) The negotiations are yet to commence. Presently, an informal process of analysis and information exchange is going on and no sharp divisions of opinion have emerged as yet.

(c) India's interests will be safeguarded and strongly projected.

(d) The government has already initiated an exercise to study the impact of the WTO Agreement on Agriculture on India's trade in agriculture as vell as its domestic policies.

NCAER has been commissioned to conduct a detailed study. A process of consultations with the Ministry of Agriculture and the State Governments has also been initiated, so as to protect the interests of domestic farmers.

आयात व निर्यात के बीच अन्तर होना

2020. **श्री राज मोहिन्दर सिंह** :

श्री कपिल सिब्बल :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान देश में कतिपय वस्तुओं का अधिक आयात होने के कारण अन्तराष्ट्रीय व्यापार में भारी अन्तर होने की संभावना हैं; और

(ख) यदि हां, तो ऐसी कौन-कौन सी वस्तुएं हैं जिनका गत वर्ष किए गए आयात की तुलना में अधिक आयात किया गया हैं और इन वस्तुओं का इस वर्ष अधिक आयात किए जाने के क्या कारण है?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े) : (क) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त अनन्तिम आंकड़ो के

अनुसार अप्रैल-जनवरी 1998-99 की अवधि के लिए आयातों और निर्यातों का मूल्य निम्नानुसार हैः-

मिलियन अम. डालन

वर्ष	**आयात**	**निर्यात**	**व्यापार घाटा**
अप्रैल-जन. 1998-99	34952	27158	7794

(ख) अप्रैल-नवम्बर, 1998-99 की अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस के उपलब्ध अनन्तिम अलग-अलग आंकड़ो के अनुसार गेहूं, चावल, सोना एवं चांदी, मसालों, चीनी, दूध एवं क्रीम, कच्चा जूट, खाद्य तेल, वनस्पति एवं पशु वसा, रूई और अपशिष्ट, अनिवार्य तेल और सौन्दर्य प्रसाधन की वस्तुओं, पेपर बोर्ड तथा विनिर्माण इत्यादि के आयात मे पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मात्रा के रूप वृद्वि प्रदर्शित हुई हैं। ये औद्योगिक उत्पादन और निर्यात में वृद्वि करने तथा घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक थे।

निर्यात में गिरावट

2021. **श्री नरेन्द्र मोहन** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमाम कोशिशों के बावजूद भारतीय निर्यात के न बढ़ पाने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या इस संबंध में कोई नीति बनाई गई हैंः

(ग) गत एक वर्ष में सरकार की ओर से निर्यात में वृद्वि करने के लिए जो घोषणाएं की गई थी क्या उनके अनुरूप निर्यात में वृद्वि हुई हैंः

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और ऐसे कौन-कौन से क्षेत्र हैं जिनमे गंभीर गिरावट आई हैंः

(ड.) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिति क्या हैंः

(च) इस घाटे को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार हैं; और

(छ) गत पांच वर्ष के दौरान क्या यह घाटा निरंतर बढ़ा या घटा हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े) : (क) से (च) विश्व व्यापार में आम मंदी विशेषकर दक्षिण-पूर्व एशिया के अनेक देशों, जापान और जर्मनी में मंदी, कृषिजन्य वस्तुओं जैसे कुछ क्षेत्रों में घरेलू आपूर्ति की अड़चनों और यूरोपीय संघ बाजारों में हो रही रूकावटों के कारण भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ था। निर्यात को बढ़ाने के लिए अनेक नीतिगत कदम उठाए गए हैं जिनमें शामिल हैंः-निर्यात ऋण पर ब्याज को कम करना, एक्जिम नीति में यथा-निर्दिष्ट विभिन्न दूसरे उपायो के अलावा विकेन्द्रीकरण और प्रक्रियाओं के सरलीकरणक के जरिए लेन-देन लागत को कम करना।

डीजीसीआई एंड एस के अनन्तिम आंकड़ो के अनुसार गत वर्ष की संगत अवधि की तुलना में अप्रैल-जनवरी, 1998-99 के दौरान निर्यात के रूपए के रूप में 12% वृद्वि और डालर के रूप में 2% की गिरावट देखी गई। अप्रैल-नवम्बर, 1998 तक उपलब्ध प्रथक आंकड़े यह दर्शाते हैं कि समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, इलैक्ट्रानिक सामान (हार्डवेयर) रसायन एवं संबद्व उत्पाद और वस्त्र, ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जहां गिरावट प्रदर्शित हुई हैं।

डीजीसीआई एंड एस के अनन्तिम आंकड़ो के अनुसार अप्रैल-जनवरी, 1997-98 में हुए 27707 मिलियन अमरीकी डालर के निर्यात की तुलना में अप्रैल-जनवरी, 1998-99 के दौरान 27158 मिलियन अमरीकी डालर का मूल्य का निर्यात होने का अनुमान था, जो 1.98% की गिरावट दर्शाता हैं। इसी अवधि के दौरान 34951.87 मिलियन अमरीकी डालर के मूल्य का आयात होने का अनुमान हैं जो 5.02% अधिक हैं। नीति की समीक्षा करना एक सत्त प्रक्रिया हैं और यह व्यापार और उद्योग के साथ विचार-विमश पर आधारित हैं।

(छ) निर्यात, आयात और व्यापार संतुलन के गत पांच वर्षो के आंकड़े निम्नानुसार हैंः-

मिलियन अमरीकी डालर)

वर्ष	**निर्यात**	**आयात**	**व्यापार संतुलन**
1994-95	26330	28654	-2324
1995-96	31797	36678	-4881
1996-97	33470	39132	-5662
1997-98	33980	40779	-6799
अप्रैल-जनवरी, 1999	27158	34952	-7794